P.G. DIPLOMA IN JOURNALISM (ONE YEAR)

SCHEME FOR TWO SEMESTERS

Every student shall have to compulsorily study one Core course, two Foundation courses and Two Elective course in each semester. (S)he shall choose elective course offered by the department of Journalism.

Semester I

Core Course:
Introduction to Journalism and Mass Communication
Foundation Courses:
(1) Reporting
(2) Editing
Elective Course:
(1) Growth and Development of Hindi Journalism
(2) General Knowledge & Current Affairs

Semester II

Core Course:
Media Laws & Ethics
Foundation Courses:
(1) Development Communication
(2) Practical Examination
Elective Course:
(1) Public Relations & Advertising
(2) Audio-Visual Communication

Evaluation Scheme

P.G. Diploma in Journalism programme shall consist of 40 Credits. Each semester shall be of 20 Credits. Core courses shall carry 8 Credits, while Foundation courses shall be of 4 credits each and Elective courses shall be of 2 credit. The division of credits shall be as follows:-

EVALUATION FOR CORE COURSES

End term theory examination (external) shall be conducted for 6 Credits. Remaining 2 credit shall be awarded on the basis of Continuous evaluation (Internal).

EVALUATION FOR FOUNDATION COURSES

End term theory examination (external) shall be conducted for 3 Credit. Remaining 1 credit shall be awarded on the basis of Continuous evaluation (internal).

EVALUATION FOR ELECTIVE COURSE

End term theory examination (external) shall be conducted for 2 Credit.

Each semester shall be of 500 marks. The division of marks shall be as follows:-

(i) I[st] Semester

a) End Term Theory Exam for Core and Foundation courses

written examination of 75 marks each (External) and CE+AA 25 marks (Internal)

b) End Term Theory Exam for Elective Course 100 marks

(ii) II[nd] Semester

a) End Term Theory Exam for Core and Foundation courses

written examination of 75 marks each (External) and CE+AA 25 marks (Internal). There shall be Practical examination (identified as Foundation course) for 100 marks.

b) End Term Theory Exam for Elective Course 100 marks

RESULT

The results shall be marked by the system of gradation on basis of the schedule shown below

We shall adopt absolute grading recommended by UGC. Absolute Grading: The marks are converted to grades based on pre-determined class intervals as mentioned below**.**

Grades and Grade points

O (Outstanding)	**10 (91 to 100)**
A + (Excellent)	**9 (81 t0 90)**
A (Very Good)	**8 (71 to 80)**
B + (Good)	**7 (61 to 70)**
B (Above Average)	**6 (51 to 60)**
C (Average)	**5 (41 to 50)**
P (Pass)	**4 (31 to 40)**
F (Fail)	**0**
Ab (Absent)	**0**

Fee-

Tuition Fee for PGDJ is Rs. 4500/- Per Semester.

P.G. Diploma in journalism
(One Year course)
Scheme for two Semester Examination

Subject/paper		Max. MKS	Min. passing MKS
1st Year semester -I			
PGDJ C01	Introduction to Journalism & Mass Communication CE+AA	75 25	30 10
PGDJ F01	Reporting CE+AA	75 25	30 10
PGDJ F02	Editing CE+AA	75 25	30 10
PGDJ E01	Growth and Development of Hindi Journalism.	75 25	30 10
PGDJ E02	General Knowledge & Current Affairs	75 25	30 10
	Total	**500**	**225 (45%)**
1st Year semester –II			
PGDJ C02	Media Laws and Ethics CE+AA	75 25	30 10
PGDJ F03	Development Communication CE+AA	75 25	30 10
PGDJ F04	Practical Examination	100	40
PGDJ E03	Audio – Visual Communication	75 25	30 10
PGDJ E04	Public Relations & Advertising	75 25	30 10
	Total	**500**	**225 (45%)**

P.G. Diploma in Journalism (PGDJ)

(One Year Course)
Scheme for Two Semesters Examinations

(पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)

(एक वर्षीय)
दो सेमेस्टर पाठ्यक्रम

Semester -I प्रथम सेमेस्टर

C01	Introduction to Journalism and Mass Communication पत्रकारिता एवं जनसंचार का परिचय
F01	Reporting समाचार संकलन
F02	Editing संपादन
E01	Growth and Development of Hindi Journalism हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास
E02	General Knowledge & Current Affairs सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक घटनाक्रम

Semester-II द्वितीय सेमेसटर

C02	Media Laws and Ethics मीडिया विधि एवं आचार संहिता
F03	Development Communication विकास संचार
E03	Audio-Visual communication दृश्य–श्रव्य संचार
E04	Public Relations and Advertsing जनसंपर्क एवं विज्ञापन
F04	Practical and Viva-Voce प्रायोगिक एवं मौखिक परीक्षा

P.G .Diploma in Journalism (PGDJ)

(पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)

Semester-1

(पीजीडीजे)–C01

पत्रकारिता एवं जनसंचार का परिचय

(Introduction to Journalism and Mass communication)

अधिकतम अंक –75
न्यूनतम अंक –30

इकाई –1 पत्रकारिता : अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, महत्व, समाचार पत्र, पुस्तकें, पत्रिकाएं, रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा एवं इंटरनेट, संचार के माध्यमों का परिचय एवं विशेषताएं।

इकाई –2 पत्रकारिता के सिद्धांतः वस्तुनिष्ठता, स्वतंत्रता, निष्पक्षता एवं निर्भीकता, संतुलन।

इकाई –3 संचार : परिभाषा, प्रकिया एवं संचार के प्रकार, प्रभावी संचार के गुण, संचार के माध्यम : मौखिक माध्यम, लिखित माध्यम, अमौखिक माध्यम एवं बाडी लैंग्वेज, संचार के मॉडल।

इकाई –4 जनसंचार–प्रकृति, परिभाषा, जनसचांर के तत्व, जनसंचार की प्रक्रिया एवं विशेषताएं, जनसंचार एवं राष्ट्रीय विकास।

इकाई –5 संचार के सिद्धांत– अथारिटोरियन, लिबरटेरियन, सोशल रिस्पांसिबिलिटी एवं मार्कसिस्ट सिद्धांत संचार एवं जन संस्कृति, विश्व सूचना और संचार व्यवस्था।

संदर्भ ग्रंथ–

1. पत्रकारिता के सिद्धांत – रमेशचंद्र त्रिपाठी
2. संचार सिद्धांत की रूपरेखा – प्रेमचंद पातंजलि
3. संचार और पत्रकारिता के विविध आयाम – ओमप्रकाश सिंह
4. जर्नलिज्म इन इंडिया – रंगास्वामी पार्थसारथी
5. अंडरस्टेंडिंग जर्नलिज्म – जान विल्सन
6. मास कम्युनिकेशन इन इंडिया – केवल जे. कुमार

P.G .Diploma in Journalism (PGDJ)
(पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)
Semester-I

(पीजीडीजे)-F01

समाचार संकलन
(Reporting)

अधिकतम अंक–75
न्यूनतम अंक–30

इकाई –1 समाचार की अवधारणा एवं स्रोत, प्रकार एवं समाचार की संरचना, समाचार लेखन के सिद्धांत, शीर्षक, आमुख।

इकाई –2 समाचार पत्र के समाचार कक्ष की संरचना एवं कार्यप्रणाली, समाचार पत्र के अन्य विभागों के साथ समन्वय।

इकाई –3 संवाददाता, संवाददाताओं का वर्गीकरण, विशेष संवाददाता, ब्यूरो चीफ के गुण, संवाददाता के कार्य एवं उत्तरदायित्व, समाचार समितियां।

इकाई –4 समाचार संकलन की तकनीक : खेल समाचारों का संकलन, व्यापार समाचारों का संकलन, कला एवं संस्कृति से संबंधित समाचार, अपराध समाचार संकलन, भाषण संकलन, न्यायालयीन समाचार संकलन, चुनाव समाचार संकलन एवं अन्य खोजपूर्ण समाचार, विवेचना परक समाचार, प्रेस वार्ता, साक्षात्कार।

इकाई –5 फीचर की परिभाषा एवं अवधारणा, फीचर का महत्व, फीचर की संरचना, फीचर के विभिन्न प्रकार, फीचर लेखन के लिए सामग्री– स्रोत, फीचर लेखन की तकनीक, फीचर एजेंसी, भाषा शैली एवं प्रस्तुति, फोटो फीचर।

<u>संदर्भ ग्रंथः–</u>

1. समाचार लेखन के सिद्धांत एवं तकनीक – डॉ. संजीव भानावत
2. आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी
3. समाचार संकलन और लेखन – नंदकिशोर त्रिखा
7. न्यूज एडिटिंग एंड रिपोर्टिंग – मधुर सेल्वराज
5. समाचार लेखन – के.पी. आर्य
6. रिपोर्टिंग – बी.एन. आहूजा
7. फोटो पत्रकारिता – गुलाब कोठारी
8. फीचर लेखनःस्वरूप और शिल्प – डॉ. मनोहर प्रभाकर
9. फीचर लेखन – पी.के. आर्य
10. फीचर लेखन – ब्रजभूषण सिंह 'आदर्श'

P.G .Diploma in Journalism (PGDJ)
(पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)

Semester-I

(पीजीडीजे)- F02

संपादन
(Editing)

अधिकतम अंक –75
न्यूनतम अंक –30

इकाई–1 संपादन– अर्थ एवं परिभाषा, आवश्यकता एवं महत्व, प्रमुख सिद्धांत।

इकाई– 2 संपादक, समूह संपादक, स्थानीय संपादक, समाचार संपादक, मुख्य उपसंपादक, पद एवं उनके कार्य।

इकाई–3 उप–संपादक : गुण एवं दायित्व, समाचार संपादन की तकनीक, विशेषांक एवं परिशिष्टों का संपादन।

इकाई –4 समाचार पत्र की डिजाइन एवं पृष्ठ सज्जा, क्वार्क एक्सप्रेस, साफ्टवेयर का परिचय, प्रूफ रीडिंग, संपादकीय पृष्ठ, संपादकीय लेखन, फोटो संपादन, शीर्षक लेखनः महत्व एवं प्रकार।

इकाई –5 लेख, आलेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, पुस्तक समीक्षा, फिल्म समीक्षा, नाटक समीक्षा का लेखन एवं संपादन।

संदर्भः–

1. मीडिया लेखन – डॉ. रमेश चंद्र त्रिपाठी
2. संपादन कला – डॉ. संजीव भानावत
3. संपादन,पृष्ठ सज्जा और मुद्रण – प्रो. रमेश तिवारी
4. संपादन कला – के.पी. नारायणन

P.G .Diploma in Journalism (PGDJ)
(पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)
Semester-I

(पीजीडीजे) – E01

हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास
(Growth and Development of Hindi journalism)

अधिकतम अंक –75
न्यूनतम अंक –30

इकाई –1 हिन्दी पत्रकारिता का आदिकाल (1826/1854) : हिन्दी पत्रकारिता का बीजारोपण उदन्त मार्तण्ड, हिन्दी भाषी क्षेत्र का प्रथम हिन्दी पत्र ''बनारस अखबार'', हिन्दी का प्रथम दैनिक समाचार पत्र 'समाचार सुधावर्षण,'

छत्तीसगढ़ का प्रथम समाचार पत्रः 'छत्तीसगढ़ मित्र का परिचय'।

इस युग के प्रमुख पत्रकार पं. युगल किशोर शुक्ल। भारतीय नवजागरण के उन्नायक राजा राममोहन राय।

इकाई – 2 हिन्दी पत्रकारिता और प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857) के बाद का परवर्ती काल (1857–1904) : लोकमान्य तिलक का हिन्दी पत्रकारिता पर प्रभाव, इस युग के प्रमुख पत्रकार एवं उनके पत्र : मदनमोहन मालवीय, भारतेन्दु हरिश्चंद्र, प्रतापनारायण मिश्र।

इकाई –3 स्वदेशी आंदोलन और हिन्दी पत्रकारिता (1905/1919) : बंग–भंग व स्वदेशी आंदोलनों का पत्रकारिता पर प्रभाव, प्रमुख पत्र–पत्रिकाएं : अभ्युदय, सरस्वती। प्रमुख पत्रकार बाबूराव विष्णु पराड़कर, अंम्बिका प्रसाद बाजपेयी।

इकाई –4 गांधी युग और हिन्दी पत्रकारिता (1920/1946) : महात्मा गांधी और उनकी पत्रकारिता, इस युग के प्रमुख समाचार पत्र : कर्मवीर, प्रताप, मतवाला, आज। प्रमुख प्रत्रकार माखनलाल चतुर्वेदी, गणेश शंकर 'विद्यार्थी' बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'।

इकाई –5 स्वतंत्र भारत की हिन्दी पत्रकारिता (1948 से वर्तमान तक) : देश के नवनिर्माण में पत्रों की भूमिका आपातकाल का पत्रकारिता पर प्रभाव, कम्प्यूटर व इन्टरनेट के आने से हुआ परिवर्तन, हिन्दी पत्रकारिता की स्थिति एवं संभावनाएं, इंटरनेट और हिन्दी पत्रकारिता।

छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता का इतिहास : छत्तीसगढ़ मित्र का वर्णन एवं माधवराव सप्रे।

संदर्भ ग्रंथः–

1. हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र
2. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
3. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास – डॉ. अर्जुन तिवारी
4. हिन्दी पत्रकारिता का विकास – एन.सी. पंत
5. छत्तीसगढ़ पत्रकारिता की संस्कार भूमि – डॉ. मंगला अनुजा
6. भारत में संचार माध्यम – डॉ. संजीव भानावत (संपादक)

P.G .Diploma in Journalism (PGDJ)
(पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)
Semester-I

(पीजीडीजे)– E02

सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक घटनाक्रम
(Genenal Knowledge and current affairs)

अधिकतम अंक –75
न्यूनतम अंक –30

इकाई –1 भारतीय संविधान – भारतीय संविधान का उद्देश्य एवं विचार, मौलिक अधिकार एवं राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत, केन्द्र–राज्य संबंध, संसदीय प्रणाली, वाक एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।

इकाई –2 राजनीतिक व्यवस्था – अमेरिका एवं ब्रिटेन की संसदीय व्यवस्था का संक्षिप्त परिचय,भारत की संसदीय एवं संवैधानिक प्रक्रिया। संसद एवं राज्य विधानसभाओं के सदस्यों की शक्तियॉ एवं विशेषाधिकार, पंचायती राज।

इकाई –3 समाज – भारत का संक्षिप्त इतिहास, भारतीय संस्कृति के आधारभूत तत्व, भारतीय समाज की चुनौतियॉ।

इकाई –4 अर्थव्यवस्था – भारतीय अर्थव्यस्था की प्रकृति, अर्थशास्त्र की आधारभूत शब्दावलीः– प्रति व्यक्ति आय, सकल घरेलू उत्पाद, मुद्रास्फीति, बजट, शेयर बाजार, भारतीय कृषि।

इकाई –5 समसामयिक घटनाक्रम – भारतीय विदेश–नीति, संयुक्त राष्ट्र, दक्षेस, सेमेस्टर के दौरान घटित स्थानीय, राज्य, राष्ट्रीय एवं विश्व घटनाक्रम का अध्ययन।

ग्रंथ संदर्भ –

1. मनोरमा इयर बुक
2. जागरण इयर बुक
3. भारत–प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित
4. भारत की सांस्कृतिक विरासत – उमराव सिंह चौधरी
5. भारतीय संविधान – जे.एन.पाण्डे
6. भारतीय संविधान – सुभाष काश्यप

P.G .Diploma in Journalism (PGDJ)

(पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)

Semester-II

(पीजीडीजे)- **C02**

मीडिया विधि एवं आचार संहिता

(Media Laws and Ethics)

अधिकतम अंक–75
न्यूनतम अंक–30

इकाई –1 भारत में प्रेस विधि का इतिहास : प्रथम चरण (सन् 1900), द्वितीय चरण (सन् 1901से 1947 तक), प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम।

इकाई –2 सूचना का अधिकार, महत्व एवं पत्रकारों के लिए इस कानून की उपयोगिता, निजता का अधिकार, सेंसरशिप।

इकाई –3 विशेष प्रेस विधि : न्यायालय की अवमानना, मानहानि, शासकीय गुप्त बात अधिनियम, कापी राइट एक्ट।

इकाई –4 श्रमजीवी पत्रकार अधिनियम (सेवा शर्तें एवं प्रकीर्ण उपबंध), सिनेमेटोग्राफी एक्ट, प्रसार भारती अधिनियम, केबल टीवी एक्ट, साइबर लॉ।

इकाई –5 आचार संहिताः विभिन्न संगठनों द्वारा सुझाई आचार संहिताएं, प्रथम एवं द्वितीय प्रेस आयोग, प्रेस परिषद एवं उनके द्वारा सुझाई आचार संहिता, प्रेस काउंसिल एक्ट।

संदर्भ ग्रंथः–

1. प्रेस विधि – नंदकिशोर त्रिखा,
2. जन माध्यम कानून और उत्तरदायित्व – डॉ. श्रीकांत सिंह
4. Media Ethics and Laws - Jan R Hakemulder

P.G .Diploma in Journalism (PGDJ)
(पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)
Semester-II

(पीजीडीजे)- F03

विकास संचार
(Development communication)

अधिकतम अंक–75
न्यूनतम अंक–30

इकाई –1 विकास की अवधारणा, विकास के सूचकांक, विकास के चरण, विकास नीति, विकास योजना, विकास के कुछ प्रमुख सिद्धांत, विकास एवं सामाजिक परिवर्तन।

इकाई –2 विकास पत्रकारिता : अवधारणा, उपयोगिता, विकास संचार, अर्थ, विकास संचार की व्यूहरचना, विकास प्रतिरूप, प्रभावशाली मानक एवं उसकी समीक्षा, विकास की सरकारी एवं स्वैच्छिक संगठनों की दृष्टि में अंतर, सतत् विकास का महत्व।

इकाई –3 विकास संचार के मार्ग में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक रूकावटें, मीडिया का उपयोग एवं अंतर व्यैक्तिक संचार, विकास के चैनल, भारतीय परिप्रेक्ष्य में केस–स्टडी, विकास में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की भूमिका।

इकाई –4 कृषि पत्रकारिता : कृषि पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा, भारत में कृषि पत्रकारिता – उद्‌भव एवं विकास, कृषि कार्यों से संबंधित रिपोर्टिंग, कृषि एवं पर्यावरण से जुड़े समसामयिक मुद्‌दे।

इकाई –5 विकास संदेश का सृजन : लक्ष्य समूह की पहचान, भाषा, परिप्रेक्ष्य, सामाजिक परिवेश, व्यवहार परिवर्तन के लिए संदेश रचना, उसके प्रमुख तत्व, ग्रामीण विकास के क्षेत्र, स्वास्थ्य, जनसंख्या, कृषि, पंचायती राज, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की प्रमुख बाधाएं, ग्रामीण विकास में जनसंचार की भूमिका, विभिन्न जन माध्यमों की भूमिका।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. जनसंचार और विकास – ए.के. बैनर्जी
2. ट्रेडिशनल मीडिया कम्युनिकेशन – के. मधुसूदन
3. विकास का समाजशास्त्र – प्रों.एस.सी. दुबे
4. ग्रामीण क्षेत्र की पत्रकारिता – डॉ. रेणुका नैयर
5. पत्रकारिता एवं विकास संचार – डॉ अनिल कुमार उपाध्याय
6. विकास संचार – डॉ. संजीव भानावत
7. भारत वार्षिकी – प्रकाशन विभाग, भारत सरकार

P.G .Diploma in Journalism (PGDJ)
(पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)
Semester-II

(पीजीडीजे)- E**03**

दृष्य–श्रव्य संचार
(Audio & Visual Communication)

अधिकतम अंक –75
न्यूनतम अंक –30

इकाई –1 रेडियो प्रसारण : भारत में रेडियो प्रसारण का उद्भव एवं विकास, आकाशवाणी केन्द्र की संरचना, आकाशवाणी समाचार कक्ष की संरचना, विविध भारती, शासकीय एवं निजी एफ.एम. रेडियो।

इकाई –2 रेडियो लेखन : रेडियो समाचार संकलन एवं लेखन, रेडियो फीचर लेखन, रेडियो वार्ता, रेडियो साक्षात्कार, परिचर्चा व उदघोषणा लेखन, कार्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया एवं प्रस्तुति।

इकाई –3 टेलीविजन प्रसारण : भारत में टेलीविजन प्रसारण का उद्भव एवं विकास, दूरदर्शन केन्द्र की संरचना, दूरदर्शन समाचार कक्ष की संरचना, निजी टीवी चैनलों का विस्तार।

इकाई –4 टेलीविजन के लिए लेखन : टेलीविजन समाचार संकलन एवं लेखन, टेलीविजन स्क्रिप्ट राइटिंग, टेलीविजन फीचर लेखन, टेलीविजन साक्षात्कार, टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति।

इकाई –5 फिल्म : भारत में फिल्मों का इतिहास, फिल्म पटकथा लेखन, फिल्म समीक्षा, वृत्त चित्र लेखन, फिल्म निर्माण प्रक्रिया, मुख्य धारा का सिनेमा एवं समानान्तर सिनेमा।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः

1. रेडियो प्रसारण – कौशल शर्मा
2. इलेक्ट्रानिक मीडिया लेखन – प्रो. रमेश जैन
3. Radio and T.V Journalism - Jan R Hakemulder
4. Broadcast Journalism - Jan R Hakemulder
5. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी
6. इलेक्ट्रानिक मीडिया – डॉ. संजीव भानावत (संपादक)

P.G .Diploma in Journalism (PGDJ)
(पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)
Semester-II

(पीजीडीजे)- E04

जनसंपर्क एवं विज्ञापन
(Public Relations and Advertising)

अधिकतम अंक –75
न्यूनतम अंक –30

इकाई –1 जनसंपर्क की परिभाषा एवं अवधारणा, जनसम्पर्क का इतिहास एवं विकास, जनसम्पर्क के प्रकार, जनसम्पर्क के सिद्धांत एवं महत्व, जनसंपर्क के उपकरण (टूल)।

इकाई –2 जनसम्पर्क की योजना एवं प्रक्रिया, शासकीय, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र में जनसम्पर्क, जनसम्पर्क विभागों का संगठन एवं कार्य प्रणाली, प्रचार एवं प्रोपेगंडा, गृह पत्रिका, जनसंपर्क अभियान।

इकाई –3 जनसम्पर्क अधिकारी के गुण एवं दायित्व, जनसम्पर्क का सामाजिक उत्तरदायित्व, जनसम्पर्क की आचार संहिता, संवाददाता सम्मेलन का आयोजन, प्रेस विज्ञप्ति, प्रेस के दौरे (टूर)।

इकाई –4 विज्ञापन की परिभाषा एवं अवधारणा, विज्ञापन का इतिहास, विज्ञापनों का वर्गीकरण, विज्ञापन के विभिन्न माध्यम, विज्ञापन अपील, विज्ञापन अभियान, मीडिया प्लानिंग।

इकाई –5 विज्ञापन एजेंसी, कॉपी लेखन, विज्ञापन का सामाजिक उत्तरदायित्व, विज्ञापन की आचार संहिता, विज्ञापन एवं मार्केटिंग।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः–

1. आधुनिक विज्ञापन – प्रेमचन्द पातंजलि
2. जनसम्पर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ
3. जनसम्पर्कः सिद्धात एवं व्यवहार – डॉ. संजीव भानावत, क्षिप्रा माथुर
4. जनसम्पर्क सिद्धात एवं व्यवहार – डॉ. सुशील त्रिवेदी एवं डॉ. शशिकांत शुक्ला
5. विज्ञापन कला – एकेश्वर हटवाल
6. जनसम्पर्क एवं विज्ञापन – डॉ. संजीव भानावत (संपादक)

P.G .Diploma in Journalism (PGDJ)

(पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)

व्यावहारिक कार्य

(दोनों सेमेस्टर के लिए)

1. शैक्षणिक भ्रमण आयोजित कर विभिन्न समाचार पत्र, रेडियो, टीवी., जनसंपर्क विभाग एवं विज्ञापन एजेंसियों का अध्ययन करना।
2. जिला/नगर/ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं पर आधारित समाचार, फीचर एवं लेख इत्यादि तैयार करना।
3. मुहल्ले एवं गांव की समस्याओं पर केन्द्रित मीडिया शोध की योजना तैयार करना।
4. समाचार, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक विषयों पर समाचार, फीचर एवं लेख इत्यादि तैयार करना।
5. सम्पादक के नाम पत्र लिखना।
6. विभिन्न फिल्मों, नाटकों एवं पुस्तकों की समीक्षा लिखना।
7. समाचार पत्रों के विभिन्न पृष्ठों को कम्प्यूटर पर क्वार्क एक्सप्रेस की सहायता से तैयार करना।
8. किसी जनसम्पर्क विभाग के लिए प्रेस विज्ञप्तियां तैयार करने का अभ्यास करना।

P.G .Diploma in Journalism (PGDJ)
(पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)

<u>(पीजीडीजे)- F**04**</u>

अधिकतम अंक–100
न्यूनतम अंक–40

प्रायोगिक परीक्षा
(द्वितीय सेमेस्टर के अंत में)

व्यवहारिक दक्षता एवं कौशल का मूल्यांकन करने के लिए बाह्य परीक्षक एक लिखित परीक्षा आयोजन करेंगे तथा मौखिक परीक्षा भी लेंगे।